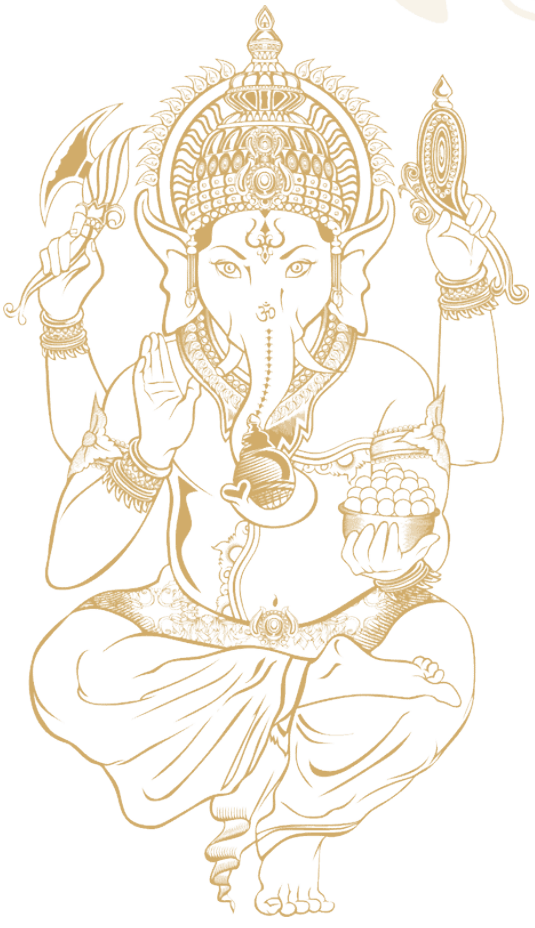

Gulasan

Ms.nilam

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120204305

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
02/03/2001	जन्म तिथि	26-27/01/2003
शुक्रवार	दिन	रवि-सोमवार
घंटे 11:55:00	जन्म समय	05:00:00 घंटे
घटी 14:13:29	जन्म समय(घटी)	55:53:56 घटी
India	देश	India
Motihari	स्थान	Motihari
26:40:00 उत्तर	अक्षांश	26:40:00 उत्तर
84:55:00 पूर्व	रेखांश	84:55:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:09:40	स्थानिक संस्कार	00:09:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:13:36	सूर्योदय	06:38:25
17:51:11	सूर्यास्त	17:27:25
23:52:08	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:45

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
सूर्य 1वर्ष 0मा 14दि	00:25:16	मिथु	लग्न	धनु	16:08:01	शनि 18वर्ष 3मा 20दि
राहु	17:52:07	कुंभ	सूर्य	मक	12:41:57	बुध
17/03/2019	07:41:26	वृष	चंद्र	वृश्चि	03:49:15	18/05/2021
16/03/2037	13:56:39	वृश्चि	मंगल	वृश्चि	12:25:08	18/05/2038
राहु 27/11/2021	22:37:41	मक	बुध	धनु	19:21:02	बुध 14/10/2023
गुरु 22/04/2024	09:24:53	वृष	गुरु व	कर्क	20:03:21	केतु 11/10/2024
शनि 27/02/2027	22:57:33	मीन	शुक्र	वृश्चि	26:32:43	शुक्र 11/08/2027
बुध 15/09/2029	01:23:39	वृष	शनि व	वृष	28:52:35	सूर्य 17/06/2028
केतु 03/10/2030	19:42:19	मिथु व	राहु	वृष	13:02:35	चन्द्र 16/11/2029
शुक्र 03/10/2033	19:42:19	धनु व	केतु	वृश्चि	13:02:35	मंगल 14/11/2030
सूर्य 28/08/2034	28:08:05	मक	हर्ष	कुंभ	03:40:00	राहु 02/06/2033
चन्द्र 27/02/2036	13:39:44	मक	नेप	मक	16:36:55	गुरु 08/09/2035
मंगल 16/03/2037	21:20:22	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	25:13:54	शनि 18/05/2038

लग्न-चलित

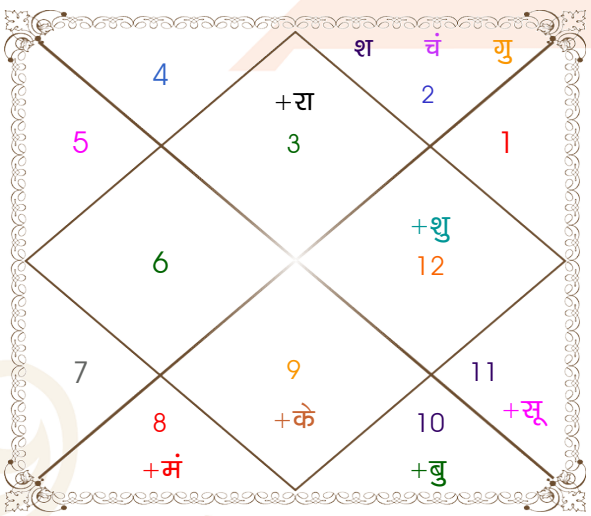

लग्न-चलित

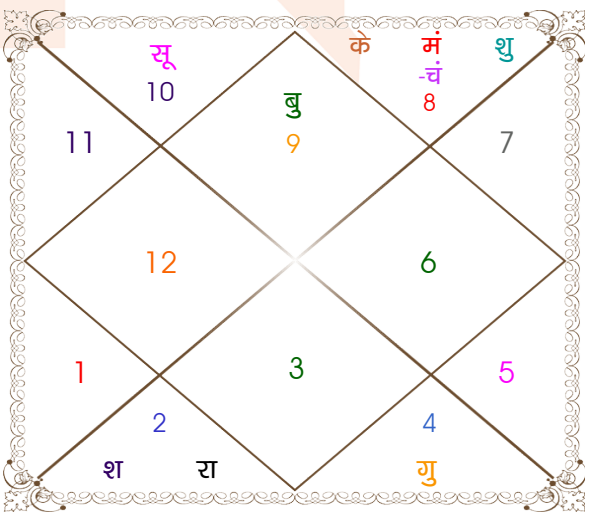

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मेष	मृग	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	मंगल	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.50		

Gulasan का वर्ग गरूड़ है तथा Ms.nilam का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गो में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Gulasan और Ms.nilam का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Gulasan मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

Ms.nilam मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms.nilam कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms.nilam कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।

न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Ms.nilam कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Gulasan कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Gulasan कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Gulasan तथा Ms.nilam में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।